5. १००८ श्री सुमतिनाथ जी

यक्ष	चिन्ह	वर्ण	यक्षिणी
तुम्बुरव	चकवा	पीतवर्ण	वज्रांकुशा

अर्घ

जल चन्दन तन्दुल प्रसून चरु, दीप धूप फल सकल मिलाय।
नाचि राचि शिरनाय समरचें, जय जय जय जय जिनराय॥
हरिहर बन्दित पाप निकंदित, सुमतिनाथ त्रिभुवन के राय।
तुम पद पद्म सद्म शिवदायक, जजत मुदित मन उदित सुभाय॥

ॐ ह्रीं श्री सुमतिनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्यपद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

श्रावण शुक्ला-२

गर्भकल्याणक

चैत्र शुक्ला-११

जन्मकल्याणक

चैत्र शुक्ला-११

तपकल्याणक

चैत्र शुक्ला-११

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: श्री मेघरथ राजा
माता: सुमंगला देवी

मोक्ष स्थान श्री सम्मेदशिखर जी

चैत्र शुक्ला-११

मोक्षकल्याणक